रूबेला

स्रोत: WHO

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने आधिकारिक तौर पर नेपाल को रूबेला मुक्त घोषित कर दिया है।

रूबेला

- **परिचय:** रूबेला **(जर्मन मीज़ल्स)** एक **अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण** है, जो **रुबेला वायरस (एक आवरणयुक्त सिंगल स्ट्रैंडेड RNA वायरस)** के कारण होता है। यह **हल्का बुखार और चकत्ते (Rash)** उत्पन्न करता है।
- **जोखिम और प्रभाव: बच्चों और वयस्कों में यह हल्का होता है**, लेकिन **गर्भवती महिलाओं के लिये गंभीर जोखिम पैदा करता है।** इससे **गर्भपात, मृत शिशु जन्म** या शिशुओं में **जन्मजात रुबेला सिंड्रोम (CRS)** हो सकता है।
  - CRS के कारण **शिशुओं में बहरापन, मोतियाबिंद, हृदय दोष और विकास संबंधी विलंब** उत्पन्न हो सकते हैं, जिससे रूबेला विश्वभर में रोकी जा सकने वाली **जन्मजात दिव्यांगताओं के प्रमुख कारणों में से एक है।**
- **महामारी विज्ञान या जानपदिक रोगविज्ञान (Epidemiology)** वर्ष 2022 में **78 देशों में कुल 17,865 मामले दर्ज किये गए।**
  - वर्ष 2024 में **14.3 मिलियन बच्चों को कोई भी टीकाकरण नहीं मिला** और केवल **84% शिशुओं को खसरे के टीके की पहली खुराक दी गई।**
- **रोकथाम और टीकाकरण: खसरा-रूबेला (MR) वैक्सीन** सबसे प्रभावी रोकथाम उपाय है। इसे **2 खुराकों** में दिया जाता है, जिससे रूबेला और उससे जुड़ी जटिलताओं के खिलाफ **दीर्घकालिक प्रतिरक्षा** विकसित होती है।

रूबेला उन्मूलन की दिशा में भारत की प्रगति

- **मुख्य पहल:** **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)** के तहत **राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान (2025-26)** का लक्ष्य वर्ष 2026 तक **भारत से खसरा और** रूबेला **(M-R)** को **100% टीकाकरण कवरेज** के माध्यम से समाप्त करना है।
  - अन्य पहलों में **मिशन इंद्रधनुष** और **सघन मिशन इंद्रधनुष** शामिल हैं।
- **MR टीकाकरण कवरेज:** वर्ष 2024–25 तक, **90% से अधिक बच्चों** को MR टीके की दोनों खुराकें दी जा चुकी हैं।
- **ज़िला-स्तरीय उपलब्धियाँ:** जनवरी–मार्च 2025 के बीच, **332 ज़िले खसरा-मुक्त** और **487 ज़िले रुबेला-मुक्त** घोषित किये गए।

और पढ़ें: **खसरा और रूबेला**, **राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rubella-4